# विषय– हिन्दी
## कक्षा–12

**पूर्णांक 100**

**खण्ड–क (अंक–50)**

1–हिन्दी गद्य का विकास –हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग, हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं–निबंध, उपन्यास कहानी, आलोचना इत्यादि। 1X5=5अंक

2–काव्य साहित्य का विकास (आधुनिक काल– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता इत्यादि) 1X5=5 अंक

3–पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक

4– पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक

5(क)–संकलित गद्य के पाठों के लेखकों का साहित्यिक परिचय, जीवनी, कृतियाँ तथा भाषा शैली (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5 अंक

(ख) काव्य–सौष्ठव–कवि परिचय, जीवनी, कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ–(शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5 अंक

6– कहानी–चरित्र–चित्रण, कहानी के तत्व एवं तथ्यों पर आधारित (लघु उत्तरीय प्रश्न)(शब्द सीमा अधिकतम–80) 5x1=5 अंक

7–खण्ड काव्य–निम्नलिखित पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा अधिकतम–80) 5x1=5 अंक

(क) खण्ड काव्य की विशेषताएं (ख) पात्रों का चरित्र–चित्रण (ग) प्रमुख घटनाओं पर आधारित प्रश्न।

**खण्ड–ख (अंक–50)**

8(क)–पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक

(ख)–पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक

9–पाठों पर आधारित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर (कोई दो प्रश्न करना है)। 2+2=4 अंक

10–काव्य सौन्दर्य के तत्व–

(क) सभी रस–(परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान) 1+1=2 अंक

(ख) अलंकार (1) शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष (परिभाषा एवं उदाहरण) 2 अंक

(2) अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अनन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त तथा अतिशयोक्ति (परिभाषा एवं उदाहरण)

(ग) छन्द (1) मात्रिक–चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका, वरवै (लक्षण एवं उदाहरण)

1+1=2 अंक

11–निबन्ध–हिन्दी में मौलिक अभिव्यक्ति दिये हुए विषय पर निबन्ध, (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि की जानकारी हेतु इन विषयों पर भी निबन्ध पूछे जायेंगें)। 2+7=9 अंक

**संस्कृत व्याकरण–** (क्रम संख्या–12 एवं 13 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे)

12 क–सन्धि–(1) स्वर सन्धि–एचोऽयवायावः एडः पदान्तादति, एङपररूपम् 1x3=3 अंक

(2) व्यंजन–स्तोः श्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलांजशझशि, खरिच, मोऽनुस्वारः

(3) विसर्ग–विसर्जनीयस्य सः, सरयजुवोरुः

ख– समास–अव्ययीभाव, कर्मधारय। 1+1=2 अंक

13 क–शब्दरूप (1) संज्ञा–आत्मन्, नामन। 1+1=2 अंक

ख–धातुरूप–लट्, लोट, विधिलिङ्ग, लङ, लृट– स्था, पा, नी 1+1=2 अंक

ग–प्रत्यय (1) कृत–क्त, क्त्वा, 1+1=2 अंक

(2) तद्धित–त्व, मतुप,

घ –विभक्ति परिचय–अभितः परितः, समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, येनाङ्गविकारः,

सहयुक्तेऽप्रधाने, नमः स्वस्तिस्वाहा 1+1=2 अंक

14–हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। (दो वाक्य) 2+2=4 अंक

| पुस्तक का नाम | लेखक का नाम | पाठ का नाम |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु | 1–बासुदेव शरण अग्रवाल | राष्ट्र का स्वरूप |
| | 3–कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर' | राबर्ट नर्सिंग होम में |
| | 4–डॉ0 हजारी प्रसाद | अशोक के फूल |
| | 5–पं0दीनदयाल उपाध्याय | सिद्धांत और नीति के सम्पादित अंश |
| | 6–प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी | भाषा और आधुनिकता |
| | 8–डा0 ए0पी0जे0अब्दुल कलाम | तेजस्वी मन के सम्पादित अंश |
| काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु | 1–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र | प्रेम माधुरी, यमुना–छवि |
| | 2–जगन्नाथदास "रत्नाकर" | गंगावतरण |
| | 3–अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' | पवन दूतिका |
| | 4–मैथिलीशरण गुप्त | कैकेयी का अनुताप |
| | 5–जयशंकर प्रसाद | श्रद्धा–मनु |
| | 6–सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" | बादल–राग |
| | 7–सुमित्रा नन्दन पंत | नौका विहार, बापू के प्रति |
| | 8–महादेवी वर्मा | गीत |
| | 9–रामधारी सिंह "दिनकर" | अभिनव–मनुष्य |
| | 10–सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय" | मैने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा |
| कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु | 2–फणीश्वर नाथ ''रेणु'' | पंचलाइट |
| | 4–अमरकांत | बहादुर |
| | 5–शिव प्रसाद सिंह | कर्मनाशा की हार |

**खण्ड काव्य (सहायक पुस्तक)**

**खण्ड काव्य**

| क्र0सं0 | पुस्तक तथा लेखक | प्रकाशक | अनुदानित जिले |
|---|---|---|---|
| 1 | मुक्ति यज्ञ–लेखक–श्री सुमित्रा नन्दन पन्त | राधा कृष्ण प्रकाशन 2, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली | कानपुर, जौनपुर, मुरादाबाद, फैजाबाद, एटा, ललितपुर। |
| 2 | सत्य की जीत–लेखक–श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी | ज्वाला प्रसाद विद्या सागर, 129, के0पी0 कक्कड़ रोड़, प्रयागराज। | झांसी, बदायूँ, प्रतापगढ़, रामपुर, पीलीभीत, लखनऊ, इटावा, बलिया, बिजनौर। |
| 3 | रश्मि रथी लेखक–रामधारी सिंह "दिनकर" | उदयांचल, पटना, वितरक–लोक भारती 15–ए, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज। | वाराणसी, बुलन्दशहर, मथुरा, मुजफ्फरनगर, फतेहपुर, उन्नाव, देवरिया। |
| 4 | आलोकवृत्त लेखक–श्री गुलाब खण्डेलवाल | कमल प्रकाशन, 105 मुकुन्दीगंज, प्रतापगढ़। | प्रयागराज, अलीगढ़, सहारनपुर, फर्रूखाबाद, मैनपुरी, मिर्जापुर, सीतापुर। |
| 5 | त्याग पथी लेखक–श्री रामेश्वर शुक्ल "अंचल" | साहित्यकार संघ, दारागंज, प्रयागराज। | आगरा, गोरखपुर, गाजीपुर, बरेली, सुल्तानपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, शाहजहांपुर, बाराबंकी। |
| 6 | श्रवण कुमार लेखक–श्री शिव बालक शुक्ल | गौतम बन्धु गोइन रोड, लखनऊ | मेरठ, आजमगढ़, बस्ती, रायबरेली, हरदोई, बांदा, बहराइच, हमीरपुर। |

**नोट :–**इसके अतिरिक्त अन्य जिलों/नवसृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

**खण्ड–ख**

**संस्कृत दिग्दर्शिका**

**पाठ्य वस्तु**

2–संस्कृत भाषायाः महत्वम्

3–आत्मज्ञः एवं सर्वज्ञः

5–जातक कथा

6–नृपति दिलीपः

7–महर्षि दयानंदः

8–सुभाषित रत्नानि

9–महामना मालवीयः

10–पंचशीलसिद्धान्ताः
11–दूत वाक्यम्
परिशिष्ट, व्याकरण, शब्दरूप, धातुरूप।

---

## 30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 2–जैनेन्द्र कुमार– भाग्य और पुरूषार्थ
7–हरिशंकर परसाई– निंदा रस

कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 1–भीष्म साहनी खून का रिश्ता
3–शिवानी– लाटी

काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु 2–जगन्नाथदास "रत्नाकर"– उद्धव–प्रसंग,
4–मैथिलीशरण गुप्त– गीत
5–जयशंकर प्रसाद– गीत,
6–सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"–सन्ध्या–सुन्दरी
7–सुमित्रा नन्दन पंत –परिवर्तन
9–रामधारी सिंह "दिनकर" –पुरूरवा, उर्वशी
11–विविधा

| | |
|---|---|
| नरेन्द्र शर्मा | मधु की एक बूंद |
| भवानी प्रसाद मिश्र | बूंद टपकी एक नभ से |
| गजानन माधव मुक्ति बोध | मुझे कदम–कदम पर |
| गिरिजा कुमार माथुर | चित्रमय धरती |
| धर्मवीर भारतीः | सांझ के बादल |

**खण्ड–ख**

### संस्कृत दिग्दर्शिका

1–भोजस्यौदार्यम्
4–ऋतुवर्णनम्

(2) वर्णवृत्त–इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मंतगमंद, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)
(3) मुक्तक–मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)

**संस्कृत व्याकरण–**

(2) व्यंजन– तोर्लि, अनुस्वारस्ययि पर सवर्णः
(3) विसर्ग– अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि
ख– समास– बहुव्रीहि।
13 क–शब्दरूप (1) संज्ञा– राजन्, जगत् सरित्।
(2) सर्वनाम–सर्व, इदम्, यद।
ख–धातुरूप– (परस्मैपदी) दा, कृ, चुर
ग–प्रत्यय (1) कृत– तब्यत्, अनीयर्
(2) तद्धित– वतुप
घ –विभक्ति परिचय– स्वधालंबषट्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम्